प्रस्तावना :

मराठी साहित्य का पाठ्यक्रम नई शिक्षा नीति 2020 की नई व्यवस्था के अनुसार तैयार किया गया है। मराठी भाषा के माध्यम से छात्र अपने भाषा का कौशल को विकसित कर अपनी कल्पनाशक्ति को विकसित कर सकते हैं। यह अध्ययन उनके भाषा कौशल का भी विकास करना है।

उद्देशय :

यह लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपना व्यवसाय, नौकरी, लेखन,समाचार पत्र-मीडिया- छात्र इस कौशल का उपयोग नए मीडिया स्थानों जैसे नौकरी, दैनिक लेखन, विकिपीडिया के लिए प्रविष्टियाँ लिखने, विश्वकोश, विश्वकोश आदि में कर सकते हैं। यह कौशल उन्हें मराठी भाषा के माध्यम से प्रदान किया जा सकता है।

फलितांश :

1. बहुत ही सीधे तरीके से उन्हें मराठी भाषा का ज्ञान प्रदान करने से उनके मानसिक विकास और ज्ञान के आधार को मजबूत करने में बहुत मदद मिलेगी।
2. छात्र इस तरह का सारा काम मराठी यानी मातृभाषा से कर सकते है।
3. मराठी भाषा का अध्ययन कर छात्र अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में अपनी छिपी हुई प्रतिभा का विकास कर सकते हैं। विभिन्न शिक्षण संस्थानों में ज्ञानार्जन का कार्य कर सकते हैं।
4. इस क्षेत्र में स्वतंत्र व्यवसाय भी कर सकते हैं क्योंकि पाठ्यक्रम महाजल पटला पर विभिन्न वेबसाइटों, पोर्टलों के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करता है।
5. छात्र इस कौशल का उपयोग समाज में रहने और बौद्धिक रूप से विकसित होने के लिए ज्ञान के मानवीय मूल्यों का उपयोग करते हैं।

MSBarhate

डॉ.अर्चना दूबे (प्रोफेसर)

डॉ. मीनाक्षी बऱ्हाटे (अतिथि अध्यापिका)

Course CodeNo.-86 ((Prak Shastri 1 year)

प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष 2022-23

प्रथम सत्र ,चतुर्थ पत्र (विषय : मराठी, प्रांतीय भाषा)

पाठ्यक्रम (syllabus of Prak Shastri Iyear 1st scm)

क्र. सं	मराठी साहित्य (गद्य ते पद्य)	क्रेडिट 04
युनिट 1	1. लेखन व व्याकरण, भाषिक कौशल्याच्या पायऱ्या 2. भाषेच्या वापराचे स्वरूप 3. भाषेचे वाङ्मयीन उपयोजन, सूत्रसंचालन, 4. उपयोजित मराठी : - औपचारिक पत्रव्यवहार, आकलन, वृत्तलेखन,	1
युनिट 2	1. खालील लेखकांचा परिचय 2. चक्रवाकाचे आगमन- लेखक- श्री. श. क्षीरसागर, 3. भांडण – लेखक -उद्धव शेळके, 4. माशी ग माशी - लेखक-राजाराम हुमणे	1
युनिट 3	1. संत साहित्याचे स्वरूप आणि आशय 2. लोकगीत : संपा. सरोजिनी बाबर 3. आशीर्वाद पत्र- कवी संत एकनाथ, 4. ढाल तरवारे - कवी संत तुकाराम, 5. मनाचे श्लोक - कवी संत रामदास	1
युनिट 4	1. कविता प्रकाराचे स्वरूप ,प्रकार 2. वीज - कवी श्रीकृष्ण नारायण राऊत 3. शहर आणि गाव - कवी विष्णू सुर्या वाघ, 4. श्वास मिटण्याआधी - कवी श्रीकांत देशमुख	1

MSBarhate

(Dr. Minakshi Barhate)